

उत्तराखण्ड में मानव-वन्यजीव संघर्ष

चर्चा में क्यों?

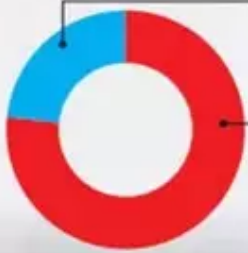
बढ़ते **मानव-वन्यजीव संघर्ष** और ग्रामीण क्षेत्रों में खराब कनेक्टिविटी के कारण **उत्तराखण्ड के नैनीताल एवं पौड़ी ज़िलों** में सुदूरवर्ती ग्रामवासियों को **प्रवासन** का सामना करना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य ग्राफ में उतार-चढ़ाव हो रहा है।

मुख्य बटु:

- पछिले एक दशक में, उत्तराखण्ड में बड़े वन्य जीवों के कारण **264 लोगों की जान चली गई**, जनिमें से **203 मौतों के लिये तेंदुए** और **61 मौतों के लिये बाघ** जमिमेदार हैं।
- इन **वन्यजीव घटनाओं** ने **प्रभावति क्षेत्रों में बहुत बड़ा व्यवधान उत्पन्न कया है**, जिसके कारण स्कूल बंद हो गए हैं और सावलदेह, पटरानी, डेला एवं **पौड़ी** जैसे गाँवों में वरिध प्रदर्शन शुरु हो गए हैं।
- राज्य सरकार ने **देश के पहले मानव-वन्यजीव संघर्ष-शमन कक्ष** की स्थापना की, **प्रभावति परिवारों को मुआवज़ा** देने के लिये वशिष धन आवंटति कया और एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी कया। हालाँकि, स्थति अभी भी अस्थरि है।
- **वन्यजीव हमलों** ने **क्षेत्र में चुनावी घटनाओं को प्रभावति कया है**। वर्ष 2022 में टहिरी में, स्थानीय लोगों ने वधिानसभा चुनावों में भाग लेने से इनकार कर दया, जो कविर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान **पौड़ी** में की गई कार्रवाइयों को दर्शाता है।

Deaths in big cat attacks in U'khand

264
Human
lives lost
in last
10 yrs



61 Killed
by tigers

203
Killed by
leopards

**Govt compensation
increased from
₹4 lakh to ₹6 lakh
for families of those
killed in wildlife
attacks**

UTTARAKHAND

Pauri
Garhwal

Nainital

Corbett Nat'l Park



मानव-वन्यजीव संघर्ष

मानव-वन्यजीव संघर्ष (HWC) उत्तराखण्ड में एक गंभीर समस्या है। यह न केवल वन्यजीवों की संख्या को घटा रहा है, बल्कि मानवों की जानों और संपत्तियों को भी खतरे में डाल रहा है।

- मानव-वन्यजीव संघर्ष (HWC) उत्तराखण्ड में एक गंभीर समस्या है।
- यह न केवल वन्यजीवों की संख्या को घटा रहा है, बल्कि मानवों की जानों और संपत्तियों को भी खतरे में डाल रहा है।
- मानव-वन्यजीव संघर्ष (HWC) उत्तराखण्ड में एक गंभीर समस्या है।
- यह न केवल वन्यजीवों की संख्या को घटा रहा है, बल्कि मानवों की जानों और संपत्तियों को भी खतरे में डाल रहा है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष

वर्ष	मृत्यु	घायल	संपत्ति नुकसान (₹)
2010	15	20	50,00,000
2011	18	25	60,00,000
2012	22	30	70,00,000
2013	25	35	80,00,000
2014	30	40	90,00,000
2015	35	45	1,00,00,000
2016	40	50	1,10,00,000
2017	45	55	1,20,00,000
2018	50	60	1,30,00,000
2019	55	65	1,40,00,000
2020	60	70	1,50,00,000

मानव-वन्यजीव संघर्ष